अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवी – जैन धर्म चंद्रिका (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) 'खात-खनकर' शब्द का अर्थ है-

(क) दीवार में सेंध लगाना (ख) झूठा उपदेश देना

(ग) कीमती वस्तु (घ) गुप्त बात ( )

(b) ''हिंसाकारी शस्त्र' किस शब्द का अर्थ है-

(क) प्राणातिपात (ख) अधिकरण

(ग) अवयव (घ) वितिगिच्छा ( )

(c) यंत्रों के काम को कहते हैं -

(क) इंगालकम्मे (ख) वणकम्मे

(ग) साडीकम्मे (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(d) स्वामी की आज्ञा आदि न होते हुए भी उसकी वस्तु लेना कहलाता है-

(क) प्राणतिपात (ख) परिग्रह

(ग) मृषावाद (घ) अदत्तादान ( )

(e) किसका आसन शरणागति व विनय का प्रतीक है -

(क) वन्दना (ख) भाव वंदना

(ग) खमासामणो (घ) णमोत्थुणं ( )

(f) विराधना कितने प्रकार की बताई गई हैं -

(क) 08 (ख) 12

(ग) 10 (घ) 18 ( )

(g) 5 समिति 3 गुप्ति का थोकड़ा चलता है-

(क) उत्तराध्ययन अध्ययन 21 (ख) उत्तराध्ययन अध्ययन 22

(ग) उत्तराध्ययन अध्ययन 23 (घ) उत्तराध्ययन अध्ययन 24 ( )

(h) साधु के निमित्त से मेहमानों को आगे-पीछे करना दोष है-

(क)मीसजाए (ख) ठवणा

(ग) पाहुडियाए (घ) पओअर ( )

(i) भिखारी की तरह दीनपन से मांगकर आहारादि लेना दोष है-

(क)वणीमगे (ख) तिगिच्छे

(ग) आजीव (घ) मूलकम्मे ( )

(j) दूसरों को हानि पहुँचाने का विचार करना कहलाता है-

(क) संरंभ (ख)समारंभ

(ग) आरंभ (घ) कोई नहीं ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) शंकितादि 10 दोष होते हैं। ( )

(b) मन की अशुभ प्रवृत्ति को रोकना मनोगुप्ति है। ( )

(c) 'अज्झोयरए' उद्‌गम का दोष है। ( )

(d) 'अधोदिशा' में से सिद्ध होते हैं। ( )

(e) 'बाहुबली' ने बलमद किया था। ( )

(f) जो आत्मा को मलिन करें उसे पाप कहते हैं। ( )

(g) सूत्रागम और तदुभयागम मिलकर अर्थागम कहलाता है। ( )

(h) कषाय का प्रतिक्रमण क्षमापना पाठ से होता है। ( )

(i) नवीन पापों की आलोचना करना प्रतिक्रमण कहलाता है। ( )

(j) जंतपीलणकम्मे सातवें व्रत का अतिचार है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं एक ऐसा दोष हूँ जो भोजन में गृद्ध होकर उसके स्वाद की प्रशंसा करते हुए खाने पर लगता हूँ। .....

(b) मैं प्रतिक्रमण का सार पाठ हूँ। .....

(c) मेरे द्वारा उत्कृष्ट वंदना की जाती है। .....

(d) मेरे 563 भेद हैं। .....

(e) मैंने ऐश्वर्यमद किया था। .....

(f) मेरा पालन करने से अहिंसा व्रत का पालन होता है। .....

(g) मेरा चौथा भेद निद्रा है। .....

(h) मैं अंधकार का पाठ हूँ। .....

(i) मेरा अर्थ 'एक-दिन-रात' है। .....

(j) मैं निषेधरूप प्रतिज्ञा हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **इकवीसवाँ.....भरतार। रिक्त स्थान पूरा कीजिए ।**

.....

.....

(b) **विमलनाथ.....जय चौबीसी भगवान। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(c) **वचन गुप्ति के समारंभ व काय गुप्ति के समारंभ में अंतर लिखिए।**

.....

.....

(d) **संयोजना, अपमाणं का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(e) **कौनसे व्रत में करण योग नहीं हैं व क्यों ?**

.....

.....

(f) **प्रमाद की परिभाषा व भेद लिखिए।**

.....

.....

(g) **अकल्पनीय व अकरणीय में अंतर स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

(h) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए।**

महुरविहि .....उवाणहविहि .....

धूवविहि .....विगयविहि .....

(i) **प्रतिक्रमण करने से कोई चार लाभ लिखिए।**

.....

.....

(j) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए।**

जावज्जीवाए ..... **जावनियमं** .....

जाव अहोरत्तं .....

(k) **चौथी समिति को द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव से लिखिए।**

.....

.....

(l) **भक्तामर की प्रथम गाथा का हिन्दी अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(m) **तस्स सव्वस्स पाठ का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(n) **'परिग्रह' किसे कहते हैं ?**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **'पोरिसी' ग्रहण करने का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) सामायिक व पौषध में अंतर स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

(c) द्रव्य व भाव प्रतिक्रमण किसे कहते हैं ?

.....

.....

.....

.....

(d) चित्रं किमत्र.....चलितं कदाचित्। रिक्त स्थान पूरा कीजिए।

.....

.....

.....

.....

(e) व्रत व पच्चक्खाण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

(f) सच्ची बात प्रकट करना अतिचार किन कारणों से माना जाता है ?

.....

.....

.....

.....

(g) काय गुप्ति के चार भेद स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

(h) आस्तां तव.....विकाशभाञ्जिज्। रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए।

.....

.....

.....

.....

(i) 10 प्रकार की स्थंडिल भूमि के प्रथम 3 भेद लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(j) 18,24,120 प्रकारे मिच्छामि दुक्कडं किस प्रकार से दिया जाता है ?समझाइए।

.....

.....

.....

.....

(k) सिद्धों के 14 प्रकार लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(l) उपसर्ग के समय संथारा कैसे करना चाहिए ?

.....

.....

.....

.....

(m) **कौनसा मद किसने किया ?**

.....

.....

.....

.....

(n) **जीव की रक्षा हेतु झूठी साक्षी देना उचित है या नहीं ?स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....